

## TADIPATRI GURUKULA

श्री वादिराज तीर्थ विरचित श्री श्रीनिवास कल्याण ॥  
 स्त्रीयरेल्लरु बन्नीरि , श्रीनिवासन पाडिरो  
 जानगुरुगळिगोदिसि , मुंदे कथेय पैलुवे॥प॥

गंगातीरदि ऋषिगळु , अंदु यागव माड्दरु  
 बंदु नारद निंतुकोंडु यारिगेंदु, कैल्लु  
 अरितु बरबेकु एंदु , आ मुनियु तेरळिद, भृगुमुनियु तेरळिद  
 नंदगोपन मगन कंदन , मंदिरक्कागे बंदनु

वैदगळने ओदुता , हरियनू कोंडाडुता  
 इरुव बोम्मन नोडिद , कैलासक्के बंदनु  
 कंबुकंठनु पार्वतियू , कलेतिरुवुद कंडनु  
 सृष्टियोळगे निन्न लिंग शैषवागलेंदनु  
 वैकुंठक्के बंदनु , वारिजाक्षन कंडनु

केटूकोपदिंद ओद्दरे , एषुनोंदितेंदनु  
 थट्टने बिसिनीरिनिंद , नेट्टगे पाद तोळेदनु  
 बंद कार्य आयितेंदु , अंदु मुनियु तेरळिद  
 बंदु निंदु सभेयोळगे , इंदिरेशन होगळिद  
 पतिय कूडे कलह माडि , कोल्हापुरक्के होदळु

सतियु पोगे पतियु होरटु , गिरिगे बंदु सैरिद  
हुतदल्लै हतुसाविर वरुष गुपवागिद

ब्रह्म धेनुवादनु , रुद्रवत्सनादनु  
धेनु मुंदे माडिकोंडु , गोपि हिंदे बंदळु  
कौटि होन्नु बाळुवोदु , कोडद हालु करेवुदु  
प्रीतियिंदलि तन्न मनेगे , तंदुकोंडनु चोळनु

ओंदु दिवस कंदग् हालु चंदंदिंदल्लि कोडलिल्लु  
अंदु रायन मडदि कोपिसि , बंदु गोपन होडेदळु  
धेनु मुंदे माडिकोंडु , गोप हिंदे नडेदनु  
कामधेनु करेद हालु , हरिय शिरके बिद्दितु  
इष्टु कष्ट बंदितेंदु , पेट्टु बडिये हौदनु  
कृष्ण तन्न मनदल्ल्योचिसि , कोट्टु तन्न शिरवनु  
ऐळु ताळेमरद उद्द , ऐकवागि हरियितु  
रक्तवन्नु नोडि गोप , मत्ते स्वर्गक्षिरिद  
कष्टवन्नु नोडि गोवु , अष्टु बंद् हैळितु  
थट्टने राय एट्टु गिरिगे , बंदु बैग सैरिद  
ऐनु कष्ट इल्लि हीगे , याव पापि माडिद,  
इष्टु कष्ट कोट्टवागे , भ्रष्टपिशाचियागेंद  
पेट्टु वैदने ताळलारदे , बृहस्पतिय करेसिद

अरुण उदयदल्लेहु , औषधके पोदनु  
 क्रोठस्त्रपिय कंडनु , कूडि मातनाडिदनु  
 इस्तवुदके स्थळवु एनगे , ऐर्पाडागबेकेंद  
 नूरुपाद भूमि कोट्टरे , मोदलु पूजे निमगेंद  
 पाकपक माडुवुदके , आके बकुळे बंदळु  
 भानुकोटितेजनीग , बैटेयाड होरटनु

मंडे बाचि दोंडे हाकि , दुंडुमल्लिगे मुडिदनु  
 हारपदक कोरळ्ल हाकि , फणेगे तिलकविट्टनु  
 अंगुलिगे उंगुर , रंगशृंगारवादवु  
 पट्टेनुट्टु कच्चे कट्टि , पीतांबरव होहनु  
 ढाळु कत्ति उडियल् सिंकि , जोडू कालल्लि मेट्टिद  
 करदि वीळयवन्ने पिडिदु , कन्नडीय नोडिद  
 कनकभूषणवाद तोडुगे , कमलनाभ तोट्टनु  
 कनकभूषणवाद कुदुरे , कमलनाभ ऐरिद

करिय हिंदे हरियु बरलु , कांतरेल्ल कंडरु  
 यारु इल्लि बरुवरेंदु? दूर पोगिरेंदरु  
 नारियरिरुव स्थळके , याव पुरुष बरुवनु?  
 ऐष्टु हैळे कैळ कृष्ण , कुदुरे मुंदे बिट्टनु  
 अष्टु मंदिरेल्ल सेरि , पेट्टुगळ्नु होडेदरु  
 कल्लुमळ्ये करेदराग , कुदुरे केळगे बिदितु

कैश बिच्छि वासुदेव , शैषगिरिगे बंदनु  
 परमान्न माडिहोने , उण्णु बैग एंदळु  
 अम्म एनगे अन्न बैड , एन्न मगान वैरिये  
 कणिणलाद दैव अवळ , निर्माणव माडिद  
 याव देश यावोळाके , एनगे पैळु एंदळु

नारायणन पुरके पौगि , रामकृष्णर पूजिसि  
 कुंजमणिय कोरळ्ल हाकि , कूसिन् कोंकळदेतिदा  
 धरणिदेविगे कणिय कैळि , गिरिगे बंदु सैरिद  
 कांतरेलू कूडिकांडु , आग बकुळे बंदळु

बन्निरम्म सदनकेनुत , बहळ मातनाडिदरु  
 तंदेतायि बंधुबळग , होन्नु हण उंटेंदरु  
 इष्टु परियल्लिद्वगे , कन्ये याके दोरकिल्ला  
 दोहुवळिगे मळकिल्ल , मत्ते मदुवे माड्वेवु  
 बृहस्पतीय करेसिद , लग्नपत्रिके बरेसिद  
 शुकाचार्यर करेसिद , मदुवे ओले बरेसिद

वळ्ळभेन करेवुदक्के , कोल्हापुरके पौदरु  
 गरुडन् हेगलनेरिकोंडु , बैग होरटुबंदरु  
 अष्टवर्गवन्नु माडि , इष्ट देवर पूजिसि  
 लक्ष्मीसहित आकाशराजन , पटृणके बंदरु

कनकभूषणवाद तोडुगे , कमलनाभ तोट्टुनु

कनकभूषणवाद मंटप , कमलनाभ ऐरिद

कमलनाभगे कांतिमणिय , कन्यादानव माडिद

कमलनाभ कांते कैगे , कंकणवन्ने कट्टिद

श्रीनिवास पद्मावतिगे , मांगल्यवने कट्टिद

श्रीनिवासन मदुवे नौडे , स्त्रीयरेल्लरु बन्निरे

पद्मावतिय मदुवे नौडे , मुद्दु बालेयर् बन्निरे

शंकेयिल्लदे हणव सुरिदु , वैकटेशन कळुहिद

लक्ष्मिप्पु एन्नलुंटु , पक्षिवाहन सलहेन्न

कौटितप्पु एन्नलुंटु , कुसुमनाभ सलहेन्न

शंके इल्लदे वरव कोडुव , वैकटेश सलहेन्न

भक्तियिंदलि हैळ कैळदवरिगे , मुक्ति कोडुव हयवदन ॥

जय जय श्रीनिवासनिगे , जय जय पद्मावतिगे

ओलिदंतह श्रीहरिगे , नित्य शुभमंगळ

शैषाद्रिगिरिवास , श्रीदेवि अरसगे

कल्याणमूर्तिगे , नित्यजयमंगळ ॥

श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

=====

श्री गुरु जगन्नाथ दासर  
॥ श्री वैकटेश स्तवराज ॥

श्रीरमण सर्वेश सर्वद । सारभौक्त स्वतंत्र सर्वद ।  
पार महिमोदार सद्गुण पूर्ण गंभीर ॥  
सारिदवरघ दूरगैसि । सूरजनरिगे सौख्य नीडुव ।  
धीर वैकटरमण करुणदि पोरेयो नी एन्न ॥ १ ॥

घनमहिमा पन्नपालक । निन्नहोरतिन्नन्यदेवर ।  
मन्नदलि ना नेनेसेनेंदिगु बन्न बडिसदिरु ।  
एन्नपालक नीने इरुतिरे इन्नु भव भयवैके एनगे ।  
चेन्न वैकटरमण करुणदि पोरेयो नी एन्न ॥ २ ॥

लकुमि बोम्म भवामरेशरु । भकुति पूर्वक निन्न भजिसि सकल लोकके  
नाथरेनिपरु सर्व कालदलि ॥  
निखिळ जीवर पौरेव देवने । भकुति नी येनगीयदिरलु  
व्यकुतवाग्यपकीर्ति बप्पदो श्रीनिकेतनने ॥ ३ ॥

याके पुट्टु करुण एन्नोळु । साकलारेय निन्न शरणन। नूकिबिट्टरे निनगे  
लोकदि ख्याति बप्पुवुदे ॥  
नौकनीयने नीने एन्ननु । जोकेयिंदलि कायो बिडदे ।  
ऐकदेवनु नीने वैकट शेषगिरिवास ॥ ४ ॥

अंबुजांबक निन्न पदयुग । नंबिकोङ ई परियलिरुतिरे । डोंबेगारन तेरदि  
नी निर्भाग्य स्तिति तौरे ॥  
बिब मूरुति निन्न करगत । कंबुवरवे गतियो विश्वकुटुंबि । एन्ननु सलहो  
संतत शेषगिरिवास ॥ ५ ॥

सारसिरि वैकुंठ त्यजिसि । धारुनियोळ गोल्लनागि  
चोर कर्मव माडि बदुकिह दारिगिरिकिल्ल ॥  
सारि पैळुवे निन्न गुणगळ । पारवागिरुतिहवो जनरिगे  
धीर वैकट रमण करुणदि पोरेयो नी येन्न ॥६ ॥

नीर मुळुगि भार पोत्तु । धारुणी तळवगेदु सिट्टिलि । क्रूरनुदरव सीळि  
करुळिन माले धरिसिदरु ॥  
पौर विप्र कुठारि वनवन । चारि गोप दिगंबराश्वव ऐरि पोदरु बिडेनो  
वैकट शेषगिरिवास ॥७ ॥

लक्ष्मीनायक सार्वभृत्यां अने । पक्षिवाहन परम पुरुषने । मोक्षदायक  
प्राणजनकने विश्व व्यापकने ॥ अक्षयांबरवित्तु विजयन । पक्षपातव माडि  
कुरुगळ लक्ष्यमाडदे कोंदेयो श्री शैषगिरिवास ॥८॥

हिंदे नी प्रह्लादगोसुग । एंदु नोडद रूप धरिसि ।  
बंदु दैत्यन ओडल बगेदु पोरेदे बालकन ॥ तंदेताथाळ बिट्टु विपिनदि ।  
निंदु तपिसुव पंचमत्सर । कंदना ध्रुवनिगोलिदु पोरेदेयो शैषगिरिवास  
॥९॥

पिंतु मादिद महिमेगळ ना । नेंतु वर्णिसलोनु फल श्रीकांत एन्ननु पोरेये  
कीरुति निनगे फलवेनगे ॥ कंतु जनकने एन्न मनसिन । अंतरंगादि नीने  
सर्वद । निंतु प्रेरणे माळपे सर्वद शैषगिरिवास ॥१०॥

मङ्गुविनोळगिह मकरिकालनु । पिडिदु बाधिसे करियु त्रिजग । द्वडेय  
पालिसो एनलु तक्षण बंदु पालिसिदे ॥ मडदि मातनु कैळि बलुपरि ।  
बडव ब्राह्मण धान्य कोडलु । पोडविगसदळ भाग्य नीडिदे शैषगिरिवास  
॥११॥

श्रीनिवासने भक्तपोषने । ज्ञानि कुलगळिगभयदायक । धीनबांदव नीने  
एन्न मनदर्थ पूरैसो ॥ अनुपमोपमज्ञान संपद । विनय पूर्वकवित्तु पालिसो  
। जनुम जनुमके मरेय बैडवो शैषगिरिवास ॥ १२ ॥

मदवु मत्सर लौभ मौहवु । ओदगबारदु एन्न मनदलि । पदुमनाभने ज्ञान  
भक्तिविरक्ति नीनितु ।

हृदय मध्यदि निन्न रूपवु । वदनदलि तव नाममंत्रवु । सदय पालिसु  
बैडिकोबेनो शैषगिरिवास ॥ १३ ॥

अंदनुडि पुसियागबारदु । बंद भाग्यवु पौगबारदु ।  
कुंदुबारदे निन्न करुणवु दिनदि वर्धिसलि ।  
निंदे माडुव जनर संगवु । एंदिगादरु दोरेयबारदु ।  
एंदु निन्ननु बैडिकोबेनो शैषगिरिवास ॥ १४ ॥

ऐनु बैडलि एन्न दैवने । सानुरागदि एन्न पालिसो ।  
नाना विधविध सौख्य निङुवुदिह परंगळलि ।  
श्रीनिवासने निन्न दासगे । ऐनु कोरेतिलेल्लि नोडलु ।  
नीने निंतीविददि पैळिसु शैषगिरिवास ॥ १५ ॥

आरु मुनिद्वरेनु माळपरो । आरु ओलिद्वरेनु माळपरो ।  
 आरुनेहिगरारु द्वैशिगव्यारुदाशिनरु ॥  
 क्रूर जीवर हणिदु सात्विक । धीर जीवर पोरेदु निन्नलि । सार  
 भकुतियनितु पालिसो शेषगिरिवास ॥ १६ ॥

निन्न सेवेयनितु एनगे । निन्न पदयुगभक्ति नीडि ।  
 निन्न गुणगण स्तवन माडुव ज्ञान नीनितु ।  
 एन्न मनदलि नीनै निंतु । घन्नकार्यव माडि माडिसु ।  
 धन्यनेंदेनिसेन्न लोकदि शेषगिरिवास ॥ १७ ॥

जय जयतु शठ कूर्मरूपने । जय जयतु किट सिंह वामन । जय जयतु  
 भृगुराम रघुकुलसोम श्रीराम ॥  
 जय जयतु सिरि यदुवरेण्यने । जय जयतु जनमोह बुद्धने । जय जयतु  
 कलिकल्मशध्नने कल्किनामकने ॥ १८ ॥

करुणसागर नीनै निजपद । शरणवत्सल नीनै शाश्वत । शरण जनमंदार  
 कमला कांत जयवंत ।  
 निरुत निन्ननु नुतिसि पाडुवे । वरद गुरु जगन्नाथविठ्ठल । परम प्रेमदि  
 पोरेयो एन्ननु शेषगिरिवास ॥ १९ ॥

॥ श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

३०. बोग होरटा योगि वेषदिद श्री हरि  
काशियात्रेयन्नु माडि बरुवेनेंदनु श्री हरि ॥  
कावि वस्त्र उट्टु करदि कोल पिडिदने  
कर्ण कुँडल होळेव पाद रक्षे धरिसिदा  
अडिगडिगे बिडिमल्लिगे उदुरि बीळुत्ता  
नडेदनु नारायण पुरद राजबीदियलि ॥

कंडु गगनराय धरणिदेवि सहितलि  
बंदु हरिय पादक्केरगि बोडिकोँडरू  
मुद्दु पद्मावतिय कोट्टु मदुवे नडिसुवे  
करेदु तंदराग प्रसन्न वेंकटेशननु ॥३०॥

## **TADIPATRI GURUKULA**

कद्विद मंगळसूत्रव दैव ॥ प ॥

गद्वि गंटु हाकिद चित्रवु  
परमेष्ठि रुद्राद्यर स्तोत्रवु मते  
शिष्ट जनर दिव्य गानवु तानु  
अष्टु कैळुत संतुष्ट मनसिनिंद  
बेट्टदोडेय जगजद्वि वैकट रमण ॥ १ ॥

तुंबुरु नारदर गानवु,  
दिव्य रंभे ऊर्वशीयर नाथ्यवु  
आल्लि तुंबिद सुरमुनि कूटवु  
महासंभ्रम सभेयल्लि कंबु कंधरनिगे  
अंबर वाणियु जय जय जयवेने ॥२॥

क्षोणिय राजादि राजरु तावु  
माणिक्य मुत्तु रत्नराशिय पाद  
काणिके कप्प तंदीवरु सिरि  
वैणु विनोदनु जाणे पद्मावतिय  
पाणिग्रहण कोंडु एणाङ्क कुल तिलक ॥३॥

अष्ट लकुमी पति तोषदि तन्न  
इष्ट सुजनर मध्यदि  
माव कोट्ठु कन्यामणि कंठदि  
अंदु अष्टदश वाद्यगळु  
घट्टियागि मोरेयलु  
शिष्ट प्रसन्न वैकट विठ्ठल राय ॥४॥

---

## TADIPATRI GURUKULA

वर वैकुंठदि बंदवगे  
वरगिरियलि संचरिसुववगे  
वरह देवन अनुसरिसि  
स्वामि पुष्करणि तीरदल्लिरुववगे  
मंगळं जय मंगळं १

सरसदि बेटेगे होरटवगे  
सरसिजाक्षियळ कंडवगे  
मरुळाटदि ता परवशनागुत  
कोरवि वैष धरिसिरुववगे  
मंगळं जय मंगळं २

गगन राज पुरक् होदवगे  
बगे नुडिगळ नुडिदवगे  
अगवासिगे निन्न मगळनु कोडु एंदु  
गगन राजन सतिग् हैळदवगे  
मंगळं जय मंगळं ३

तन्न कार्य ता माडदवगे  
इन्नोब्बर हेसर् हैळदवगे  
मुन्न मदुवे निश्चयवागिरलु  
तन्न बळग करेसिरुववगे  
मंगळं जय मंगळं ४

एति निष्बण होरटवगे  
नित्य तृप्तनागिरुववगे  
उत्तरणेय वागरनुंडु  
तृप्तनागि तोगिरुववगे  
मंगळं जय मंगळं ५

ओदगि मुहूर्तके बंदवगे  
सदय हृदयनआगिरुववगे  
मुददिंदलि श्री पदुमावतियळ  
मदुवे माडिकोङ मदुमगगे  
मंगळं जय मंगळं ६

कान्तेयिंद सहितादवगे  
संतोषदि कुळितिरुववगे  
संतत श्रीमदनंताद्रीशगे  
शांत मूरुति सर्वोत्तमगे  
मंगळं जय मंगळं ७